Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

सड़क न होने से पहाड़ों के दर्जनों गांव में विकास कार्य अधर में लटके

जिम्मेदार कौन

सड़क के लिए वन अधिनियम बना राह में रोडा

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। सीमांत जनपद पिथौरागढ़ के तहसील क्षेत्रवासियों को सड़क तक पहुंचने के लिए वर्तमान में कई किमी लंबी पैदल दूरी तय करने को मजबूर होना पड़ रहा है। बता दें कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से सड़क की मांग को लेकर कई बार आंदोलन कर चुकी है। मगर आज तक हल नहीं निकल पाया है। आलम यह है कि सड़क की लंबी समय से प्रतीक्षा कर रहे तहसील क्षेत्रवासियों की आंखें पथराने लगी है।

जानकारी के मुताबिक सीमांत तहसील धारचूला के अंतर्गत जुम्मा से रांथी तक प्रस्तावित सड़क के लिए पांच साल पूर्व सर्वे तक किया जा चुका है। वहीं सड़क के लिए वन भूमि के पेंच न अब तक राह में रोडा डाला है। हालात यह है कि सीमांत जनपद के तहसील क्षेत्र के

गांवों में वन भूमि के हंस्तारण के चलते सड़कों का निमार्ण कार्य अधर में लटकता नजर आ रहा है। दूसरी ओर वन भूमि के हंस्तारण के कारण सीमांत की आबादी सड़क सुविधा के लिए मोहताज होते दिख रही है। सीमांत जनपद की पांच महत्वूर्ण सडकें बंद पड़ी फाइलों में से महत्वपूर्ण सड़कें धूल फांक रही है। सीमांत में यह मामला लंबे समयसे लटका पडा हुआ है। वन भूमि हस्तारण के प्रस्ताव तैयार कर देहरादून भेजने के बाद भी आज तक हल नही निकल सका है।

बात करें सीमांत तहसील के बरम व कनार गांव के सड़कों को लेकर यहां पर आज भी गांव के ग्रमीण सोलह किमी लंबी पैदल दूरी तय कर अपने अपने गंतव्य को पहुंचने के लिए जान हथेली पर रखकर चलने को मजबूर हो रहे है।

शासन स्तर पर इस सड़क के लिए प्रदेश के दो मुख्यमंत्री घोषणा कर चुके है। मगर नतीजा आज तक नही निकल सका है। दूसरी ओर तहसील क्षेत्र के धारी बेलतडी क्षेत्र के लोग आज भी सड़क के लिए टकटकी लगाये बैठे हुए है,मगर आज तक हल नहीं निकल पाया है। वही गंगोलीहाट के पव्वाधार नैनी और मडक नाली सडक के लिए भी वन भूमि हस्तारण ने पेंच डाल और भी यहां के ग्रमीणों के लिए मुश्किलें बढ़ानी शुरू कर दी है। सड़कें न बन पाना गांवों में विकास होना खासा कठिन लग रहा है। क्षेत्र के ग्रमीण अब आर पार की लडाई लड़ने को मजबूर हो रहे है। वही वन भूमि के हंस्तारण ने राह में रोड़ा बनकर सीमांत के तहसील क्षेत्र के ग्रमीणों की मुश्किलें और भी ज्यादा बढ़ा दी है।

न्यूज डायरी

नेताजी संघर्ष समिति ने भीमराव अंबेडकर की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

संवाददाता देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को संविधान निर्माता स्वर्गीय डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उनकी घंटाघर स्थित मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर समिति के पदाधिकारियों प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने कहा कि स्वर्गीय अंबेडकर जी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके द्वारा बनाए गए संविधान का पालन करें और जनता को राहत दिलाएं हमें उनके द्वारा किए गए कार्यों को नहीं भूलना चाहिए। डॉक्टर अंबेडकर को श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल, प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी, अरुण खरबंदा, राम सिंह प्रधान ,सुशील विरमानी,दानिश नूर ,मनोज सिंघल ,आदि लोग उपस्थित रहे।

रिलायंस जूल्स ने इस अक्षय तृतीया के अवसर पर रणकार कलेक्शन किया लॉन्च

संवाददाता हरिद्वार। भारत के प्रमुख जूलरी ब्रांडों में शामिल रिलायंस जूल्स कला और संस्कृति, परंपराओं और दृढ़ विश्वासों से प्रेरित अपने ऐसे कई कलेक्शंस के लिए मशहूर है, जो भारत की समृद्ध और विविधतापूर्ण विरासत को मूर्त रूप प्रदान करते हैं। उड़ीसा से प्रेरित उत्कल से लेकर बनारस से प्रेरित कासयम तक रिलायंस जूल्स ने अपनी जूलरी डिजाइनों के माध्यम से भारत की समृद्ध और विविधतापूर्ण विरासत को प्रस्तुत करना जारी रखा है। रिलायंस जूल्स ने अक्षय तृतीया के शुभ एवं पावन उत्सव को मनाने के लिए बेहतरीन जूलरी का एक शानदार कलेक्शन रणकार लॉन्च किया है। यह कलेक्शन कच्छ के रन और इसकी विविधतापूर्ण विरासत से प्रेरित है।

सेन्हाइजर ने माइक्रोसॉफ्ट टीम्स रूम के लिए टीमकनेक्ट इंटेलिजेंट स्पीकर किया पेश

संवाददाता देहरादून। सेन्हाइजर, जोकि सहयोग और लर्निंग को आसान बनाने वाली सबसे उन्नत ऑडियो तकनीक है, ने आज माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के लिए एक सर्टिफाइड इंटेलिजेंट स्पीकर, टीमकनेक्ट इंटेलिजेंट स्पीकर की घोषणा की। टीमकनेक्ट इंटेलिजेंट स्पीकर के साथ, सेन्हाइजर स्मार्ट, केंद्रित और समावेशी सभा के लिए एक सलूशन प्रदान कर रहा है जिसमें 10 प्रतिभागी तक, किसी कमरे से या कितनी भी दूरी से भाग ले सकते हैं। इसमें एक सर्वदिशात्मक स्पीकर है जो त्रुटिहीन ध्वनि गुणवत्ता प्रदान करने के लिए 3.5 मीटर के रेडियस और सात एकीकृत बीमफॉर्मिंग माइक्रोफोन को कवर करता है। यह बेहद दूरी पर स्थित प्रतिभागियों तथा ऐसे प्रतिभागी जिनकी आवाज कम सुनाई देती है, के लिए एक समावेशी बैठक अनुभव प्रदान करता है।

दूरदराज क्षेत्रों में वर्तमान में नहीं हो पा रहा कोरोना टीकाकरण

संवाददाता पिथौरागढ़। सीमांत जनपद मुख्यालय में कोरोना काल में अहम भूमिका अदा करने वाले 67 आउटसोर्स कर्मियों की इकतीस मार्च को सेवा से हटाने के बाद सीमांत जनपद में कोरोना टीकाकरण की सेवा पर अब खासा असर पड़ने लगा है।

जानकारी के मुताबिक जिले में आउटसोर्स के माध्यम से अल्प वेतन पर विभिन्न पदों पर स्वास्थ कर्मी रखे गये। मगर इन सभी कर्मियों की सेवा पिछले माह इकतीस मार्च को समाप्त कर दिये जाने से जिले में कोरोना टीकाकरण की रफ्तार अब धीमी पड़ चुकी है। बता दें कि जिले में मात्र रोडवेज बस अड्डे के पास केवल एकमात्र ही कोरोना टीकाकरण सेंटर वर्तमान में बनाया गया है। जिले में पालिका व अलग–अलग स्थानों पर बनाये कोरोना टीकाकरण सेंटर बंद हो गये है। पहले खासे तादात में सेवाकर्मी रखे गये थे। मगर अब मात्र केवल एक कर्मी के सहारे एक ही स्थान पर टीकाकरण कार्य चल रहा है।

स्वास्थ विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक जिले में मंगलवार को बारह से चौदह साल के आठ बच्चों को व पंद्रह से सत्रह साल के दो बच्चों को ही कोरोना का टीका लग पाया है। वही इस बारे में स्वास्थ विभाग के मुख्य चिकित्सा धिकारी एचएस हयांकी ने बताया कि शासन को स्वास्थ कर्मियों की सूची तलब की गई है। अब तक एक सप्ताह से ज्यादा तक का समय लग चुका है शासन से निर्देश मिलने के बाद ही कुछ कहना उचित हो सकेगा।

भारतीय सेना का दल हेमकुंड के लिए हुआ रवाना

संवाददाता गोपेश्वर (चमोली)। हेमकुंड साहिब मार्ग से बर्फ हटाकर रास्ता बनाने के लिए सेना के जवान गुरुवार को गोविंदघाट गुरुद्वारे से रवाना हो गए। सेना का यह दल सूबेदार जगसीर सिंह के नेतृत्व में हेमकुंड साहिब तक के लिए रास्ता तैयार करेगा। बता दें कि हेमकुंड साहिब के कपाट श्रद्धालुओं के लिए 22 मई को खोल दिए जाएंगे। गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के तत्वावधान में गुरुद्वारा गोविंदघाट में पहुंचा भारतीय सेना का दल गुरुवार को हेमकुंड के लिए रवाना हो गया। यह दल हेमकुंड तक रास्ते से बर्फ हटाने का काम करेगा। सेना की यह टुकड़ी सूबेदार जगसीर सिंह एवं हवलदार मल्कीत सिंह के नेतृत्व में बर्फ कटान का कार्य कर यात्रा प्रारंभ करने के लिए रास्ता बनाएगी। परंपरा रही है कि यह सेवा शुरू से भारतीय सेना निभाती आ रही है।

भारत रत्न डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जयंती धूम-धाम से मनाई

संवाददाता पुरोला। पुरोला विकासखण्ड में तहसील परिसर में अम्बेडकर मंच से जुड़े लोगों ने शिक्षाविद,समाजसुधारक व भारत रत्न डॉ0 बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर की 131वीं जयंती बड़े हर्षोउल्लास के साथ मनाई। आल इंडिया बैकवर्ड एम्प्लाईज के बैनर तले अम्बेडकर जयंती पर बाबा साहब की प्रतिमा का अनावरण कर मोमबत्ती जलाकर पुष्प अर्पित किए। अम्बेडकर जयंती पर संगठन से जुड़े लोगों ने अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर समाज के लिए किए गए उनके कार्यों को स्मरण कर उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि नगर पंचायत अध्यक्ष

हरिमोहन नेगी ने बाबा साहेब भीमराव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर व कैंडल प्रज्वलित कर सभी को अम्बेडकर जयंती की शुभकामनाएँ देते हुए समाजहित,राष्ट्रहित के लिए जाती, धर्म व सम्प्रदाय से ऊपर उठकर कार्य करने की अपील की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं के रूप में राजेंद्र लाल आर्य, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष पीएल हिमानी, श्याम लाल गौतम, धरमलाल दौरियाल व अमर बत्रा आदि ने भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव के जीवन परिचय पर बोलते हुए उनके उल्लेखनीय कार्यों पर विस्तार से अपने विचार रखे उन्होंने कहा कि भीमराव शिक्षाविद, कानूनविद समाजसेवी के साथ साथ देश के लिए एक महामानव के रूप में राष्ट्र को अपने जीवन को समर्पित करने वाले व्यक्तित्व थे। उन्होंने कार्यक्रम में आये सभी लोगों को उनके बताए हुए मार्ग का अनुशरण कर राष्ट्रहित में आगे बढ़ने की अपील की वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष से पुरोला में अम्बेडकर पार्क व पुस्तकालय निर्माण की मांग की।

कार्यक्रम में संगठन से जुड़े बिहारीलाल शाह,आशीष मेगवाल,कमलाराम भारती, भारती, बिजेंद्रमनी,अजय,निर्मला,अम्बिका, सुलोचना,रजनी शाह, सीमा, कंचन, प्रीति आदि सैकड़ों लोग मौजूद थे।

गांवों में भी बढ़ती जा रही पेयजल समस्या

संवाददाता अल्मोड़ा। मुख्यालय के कई क्षेत्रों में निर्धारित समयावधि तक जलापूर्ति नहीं होने से उपभोक्ताओं की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। वहीं मुख्यालय के आसपास के गांव लोधिया, ख्याड़ी, पहल, सैनार व चितई में भी लोग पेयजल समस्या से जूझ रहे हैं। समस्या ग्रस्त क्षेत्रों में जल संस्थान टैंकरों से जलापूर्ति कर रहा है, जो लोगों के लिए नाकाफी है। उधर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों का अधिकांश समय नौलों व धारों से पेयजल लाने में बर्बाद हो रहा है। इसका असर अन्य जरूरी कार्यों पर भी पड़ रहा है। मुख्यालय के समीपवर्ती खगमराकोट, दुगालखोला, खत्याड़ी, धारानौला, मालगांव, कसारदेवी, गधोली, बमनस्वाल, पेटशाल, तोली–बरतोली में पेयजल समस्या लगातार गहराती जा रही है। जल संस्थान के टैंकरों से हर दिन पेयजल बांट है। गुरुवार को जल संस्थान के टैंकरों से विकास खंड लमगड़ा के भागादेवली, वृद्ध जागेश्वर, सिराड़, राजकीय होटल मैनेजमेंट व कैटरिंग संस्थान, एसएसजे परिसर के न्यू ब्वायज हास्टल व दौलाघट बाजार क्षेत्र में पेयजल वितरित किया।